

প্রচ্ছদ কাহিনী

৩১ হিরোশিমা ডাইরি
 ফোর্ড গাড়ির ডিজাইনার
 কাজী ইসলাম



হিরোশিমা থেকে দেশে ফিরে আসার পর আমি কাজী ইসলামের অর্জিত সাফল্যের কথা দেশবাসী, বিশেষ করে দেশের তরুণ-প্রজন্মকে জানাবার সিদ্ধান্ত নিই। তাতে আমাদের তরুণ প্রজন্ম কিছুটা হলেও অনুপ্রাণিত হবে। আর আমরা যারা বিদেশীদের তৈরি করা গাড়িতে চড়ে বাহাদুরি করি, তারাও বলতে পারবেন, আমাদের একজন অন্তত আছেন, যিনি

মোটর গাড়ি বানাতে পারেন।



AvMvgx 12 Rp t_+K cZMntj i i"
 nt"Q BDtīv P'wꞣúqbkwk:ci Avmi |
 wekKvici ci wZxq mteP
 dUej hA wntmte tev×vi hvK
 -xKwZ w' tqtOb | i'apvī ewRj |
 AvRfUbv_vKtj B wekKvici mgub
 ghP v tctZv BDtīvi Avmi |
 Gevti i P'wꞣúqbkwk:c tdfwi tUi

Zwj Kvq i tqtQ dvY, cZMvj, tb`vi j vUmw BsJ vU | t`ub |
 wktīvcv wRZtZ cvti Gt` i th tKD...

- wetkl cŃZte`b : wegvbi tj vKmvbi tbcŃ' - 27
- gše` cŃZte`b : Avgj v t_+K mveavb - 38
- gše` cŃZte`b : ivgmtdtī i mdi - 15
- cŃZte`b : GKw` b gUzewnbxi mšy:mi ivRtZj- 17
- dŃUwdPvi : gtMi gj -K! - 21
- tμvocĀ : wPwKrmv bq PvB cŃZtīva - 59
- wdPvi : wDBqtK®evOwj Rxeb - 23
- d'vkb Ges dŃUwMŃd - 75
- Abjv̂b : 7 eQti Avb` aviv - 43
- weŃbv`b - 80 ■ ù`q Rvbvj v - 72
- NUbv cēvn - 11 ■ tdivg - 8